Date : 24-Dec-2008 Edition : Delhi Page No.: 16 Page Name: Back Page Size: 199.09 sq. cm

Sector: Others Circulation: 356842 AVE: Rs.169227.39 Frequency: Daily

Publication: Navbharat Times Title: Love happen only one time

नवभारत टाइम्स

इंसान एक बार जीता है, एक बार मरता है

पर प्यार .... कई बार करता है!

नीतू सिंह/ पूनम पाण्डे ॥ नई दिल्ली

'कुछ कुछ होता है' फिल्म में शाहरुख खान का एक डायलॉग है - इंसान एक बार जीता है, एक बार मरता है और एक बार ही प्यार करता है। लेकिन कुछ स्टडीज पर यकीन करें तो जिंदगी में इंसान को कई बार प्यार हो सकता है। यह बात दूसरी है कि पहला प्यार कोई भुला नहीं पाता। सीनियर सायकायट्रिस्ट डॉ. संदीप वोहरा कहते हैं कि हाल में अमेरिका और यूरोप में हुई कई स्टडी में यह कहा गया है कि इंसान को एक से ज्यादा बार भी प्यार होता है, कितनी बार हो सकता है, यह फिक्स्ड नहीं है। पहले यह माना जाता था कि सच्चा प्यार एक बार ही हो सकता है, लेकिन अब यह परिभाषा काफी हद तक बदल गई है। किसी की पर्सनैलिटी पर निर्भर करता है कि उसे कितनी बार प्यार होगा।

पहले प्यार का खुमार : पहला प्यार इसलिए यादगार होता है क्योंकि इसमें अटैचमेंट पहली बार होता है और इंसान के लिए यह बिल्कुल नया एक्सपीरियंस होता है। इसमें इमोशनल डिग्री ज्यादा होती है। इस जुड़ाव को खत्म करने में काफी मुश्किल आती है और यादें जिंदगी भर साथ रह जाती हैं।

प्यार या कुछ और : मैक्स हेल्थ केयर के सायकायट्रिस्ट डॉ. समीर पारेख कहते हैं कि इन्फेचुएशन होना सामान्य बात है। आप हर रोज किसी नए शख्स से मिलते हैं। उनमें से कुछ की कई बातें आपको प्रभावित कर सकती हैं। प्यार तब होता है जब उस आकर्षण पर कुछ एक्शन हो और बात आगे बढ़े। अगर यह आकर्षण लंबे वक्त तक बरकरार रहा और आसपास का माहौल उसके समर्थन में रहा तो ये इन्फेचुएशन प्यार में भी बदल सकता है। पर हर इन्फेचुएशन प्यार नहीं हो सकता। युवाओं को यह बात समझनी चाहिए कि सिर्फ किसी का अच्छा लगना प्यार नहीं है। वह लवेरिया नहीं होता बल्कि डेटेरिया होता है।

जादू है, नशा है : डॉ. वोहरा कहते हैं कि सच्चा प्यार एक नशे की तरह होता है। स्टडी के दौरान जब ऐसे लोगों का ब्रेन स्कैन किया गया तो प्यार की गिरफ्त में आए शख्स के ब्रेन में केमिकल सीक्रेशन से ब्रेन के हिस्सों पर जो असर हुआ था, वह ठीक उसी तरह का था जैसे नशे के दौरान होता है। *साइंस* मैगजीन में छपी रिसर्च से यह साबित हुआ है कि प्यार के मामले में मेल और फीमेल की साइकॉलजी में फर्क होता है। लड़के जहां लड़कियों के लुक्स पर फिदा होते हैं, वहीं लड़कियों के लिए यह इतना मायने नहीं रखता। लड़कियां भावनात्मक जुड़ाव को ज्यादा अहमियत देती हैं। इसलिए लड़कों को यह कहते ज्यादा सुना जाता है कि उन्हें आए दिन प्यार हो जाता है, लेकिन सायकायट्रिस्ट का मानना है कि आए दिन महसूस की जाने वाली चीज प्यार नहीं इन्फेचुएशन होती है। असल में जब प्यार होता है तो इंसान को कुछ समझ नहीं आता है कि उसके साथ हो क्या रहा है।

Pradyut

© Navbharat Times www.navbharattimes.com